श्रीशिवाष्टकम् ३

{॥ श्रीशिवाष्टकम् ३ ॥}

तस्मै नमः परमकारणकारणाय

दीप्तोज्ज्वलज्वलितपिङ्गललोचनाय ॥

नागेन्द्रहारकृतकुण्डलभूषणाय

ब्रह्मेन्द्रविष्णुवरदाय नमः शिवाय ॥ १॥

श्रीमत्प्रसन्नशशिपन्नगभूषणाय

शैलेन्द्रजा वदन चुम्बितलोचनाय ॥

कैलासमन्दिरमहेन्द्रनिकेतनाय

लोकत्रयार्तिहरणाय नमः शिवाय ॥ २॥

पद्मावदातमणिकुण्डलगोवृषाय

कृष्णागरुप्रचुरचन्दनचर्चिताय ॥

भस्मानुषक्तविकचोत्पलमल्लिकाय

नीलाब्जकण्ठसदृशाय नमः शिवाय ॥ ३॥

लम्बत्सपिङ्गल जटामुकुटोत्कटाय

दंष्ट्राकरालविकटोत्कटभैरवाय ॥

व्याघ्राजिनाम्बरधराय मनोहराय

त्रैलोक्यनाथ नमिताय नमः शिवाय ॥ ४॥

दक्षप्रजापतिमहामखनाशनाय

क्षिप्रं महात्रिपुरदानवघातनाय ॥

ब्रह्मोर्जितोर्ध्वगकरोटिनिकृन्तनाय

योगाय योगनमिताय नमः शिवाय ॥ ५॥

संसारसृष्टिघटनापरिवर्तनाय

रक्षः पिशाचगणसिद्धसमाकुलाय ॥

सिद्धोरगग्रह गणेन्द्रनिषेविताय

शार्दूल चर्मवसनाय नमः शिवाय ॥ ६॥

भस्माङ्गरागकृतरूपमनोहराय

सौम्यावदातवनमाश्रितमाश्रिताय ॥

गौरीकटाक्षनयनार्ध निरीक्षणाय

गोक्षीरधारधवलाय नमः शिवाय ॥ ७॥

आदित्यसोमवरुणानिलसेविताय

यज्ञाग्निहोत्रवरधूमनिकेतनाय ॥

ऋक्सामवेदमुनिभिः स्तुतिसंयुताय

गोपाय गोपनमिताय नमः शिवाय ॥ ८॥

शिवाष्टकमिदं पुण्यं यः पठेत् शिवसन्निधौ

शिवलोकमवाप्नोति शिवेन सह मोदते ॥

श्री शंकराचार्यकृतं शिवाष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by DPD

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

Last updated त्oday

http://sanskritdocuments.org

Shivashtakam (Version 4) Lyrics in Devanagari PDF
% File name : shivAShTakam3.itx
% Category : aShTaka
% Location : doc_shiva
% Author : Adi Shankaracharya
% Language : Sanskrit
% Subject : philosophy/hinduism/religion
% Transliterated by : DPD
% Proofread by : DPD
% Latest update : January 23, 2010
% Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

% Site access : http://sanskritdocuments.org
%
% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study
% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of
% any website or individuals or for commercial purpose without permission.
% Please help to maintain respect for volunteer spirit.
%

We acknowledge well-meaning volunteers for Sanskritdocuments.org and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.
Please check their sites later for improved versions of the texts.
This file should strictly be kept for personal use.
PDF file is generated [October 12, 2015] at Stotram Website